

(2 Hours)

[Total Marks : 60]

Please check whether you have got the right question paper.

- N.B.:**
- 1) Answer any five questions from Q.No. 1 to Q.No. 8 and Q.No. 9 is Compulsory.
 - 2) Marks are indicated against each question.
 - 3) Students answering in the regional language should refer in case of doubt, to the main text of the paper in English.

1. What is the knowledge? Elaborate the types of knowledge from the philosophical prospecting. (10)
2. “Activity method plays a pivotal role in today’s classrooms.” Justify with reference to Mahatma Gandhi’s basis on child centred learning. (10)
3. Explain J. Krishnamurti’s views on nationalism and the interrelationship with education. (10)
4. Elucidate the changes in education due to industrialization and democracy. (10)
5. What is curriculum? Elaborate the psychological and sociological determinants of curriculum. (10)
6. Explain the need and evaluation of effective curriculum construction with reference to text books and instructional materials. (10)
7. Explain the process of curriculum development with reference to formulating aims and objectives. (10)
8. Elaborate on the principles of curriculum construction. (10)
9. Attempt briefly **any two** of the following (10)
 - a) Distinction between teaching and training
 - b) Educational significance of Dialogue Method
 - c) Concept of Hidden curriculum
 - d) Role of MHRD in curriculum reform

(मराठी रुपांतर)

(२ तास)

(एकूण गुण : ६०)

१. ज्ञान म्हणजे काय? तात्विक दृष्टीकोनातून ज्ञानाचे प्रकार सविस्तर लिहा. (१०)
२. “सद्यस्थितीत वर्गामध्ये कृतिकेंद्री पद्धती महत्त्वपूर्ण भूमिका बजावते”. महात्मा गांधीच्या विद्यार्थी-केंद्रित अध्ययनाच्या आधारे समर्थन करा. (१०)
३. जे. कृष्णमूर्ती यांचे राष्ट्रीयत्वाबद्दलचे विचार सांगून त्याचा शिक्षणाशी आंतरसंबंध स्पष्ट करा. (१०)
४. औद्योगिकरण आणि लोकशाही यांच्यामूळे शिक्षणात झालेले बदल विशद करा. (१०)
५. अभ्यासक्रम म्हणजे काय? अभ्यासक्रमाची मानसशास्त्रीय आणि सामाजिक निर्धारके सविस्तर लिहा. (१०)
६. प्रभावी अभ्यासक्रम रचनेची गरज आणि मूल्यमापन, पाठ्यपुस्तके आणि अनुदेशन साहित्याच्या संदर्भात स्पष्ट करा. (१०)
७. ध्येय आणि उद्दिष्टांच्या निर्मिती संदर्भात अभ्यासक्रम विकासाची प्रक्रिया स्पष्ट करा. (१०)
८. अभ्यासक्रम रचनेची तत्त्वे सविस्तर लिहा. (१०)
९. खालीलपैकी कोणत्याही दोहोंवर थोडक्यात लिहा. (१०)
 - अ) अध्यापन आणि प्रशिक्षण यातील फरक
 - ब) संवाद पद्धतीचे शैक्षणिक महत्त्व
 - क) छुप्या (Hidden) अभ्यासक्रमाची संकल्पना
 - ड) अभ्यासक्रम पूर्णरचनेत एम्.एच.आर.डी (MHRD) ची भूमिका

(हिन्दी अनुवाद)

(२ घंटे)

(कूल अंक : ६०)

१. ज्ञान का अर्थ क्या है? तात्विक दृष्टीकोन के अनुसार ज्ञान के प्रकार सविस्तर लिखिए। (१०)
२. “सदयस्थितिमे कक्षा मे कृती केंद्री पद्धती महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।” महात्मा गांधीजी के विद्यार्थी केंद्रित अध्ययन के आधारपर समर्थन किजिए। (१०)
३. जे. कृष्णमूर्तीजी के राष्ट्रीयता के सोच को बता के उसका शिक्षाके साथ आंतर संबंध स्पष्ट कीजिए। (१०)
४. औद्योगिकरण और लोकतंत्र इनके वजहसे शिक्षा में हुए बदलाओं को विशद किजिए। (१०)
५. पाठ्यक्रम का अर्थ क्या है? पाठ्यक्रमके मानसशास्त्रीय और समाजशास्त्रीय निर्धारकों को सविस्तर लिखिए। (१०)
६. प्रभावपूर्ण पाठ्यक्रम रचना की आवश्यकता और मूल्यांकन पाठ्यपुस्तको ओर अनुदेशन साहित्य के संदर्भ मे स्पष्ट किजिए। (१०)
७. ध्येय और उद्दिष्टों की निर्मितीके संदर्भमे पाठ्यक्रम विकसन की प्रक्रिया स्पष्ट किजिए। (१०)
८. पाठ्यक्रम रचना के तत्व सविस्तर लिखिए। (१०)
९. निम्नलिखित में से कोई दो लिखिए। (१०)
 - अ) अध्यापन और प्रशिक्षण इनमे फरक।
 - ब) संवाद पद्धती का शैक्षिक महत्व।
 - क) छुपे (Hidden) पाठ्यक्रमकी संकल्पना
 - ड) पाठ्यक्रम पुनरचना में एम्.एच.आर.डी (MHRD) की भूमिका।